वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

एमएआरजे 01

एम.ए. पूर्वार्द्ध परीक्षा

आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य

अवधि 3 **घंटे** **अधिकतम अंक** 80

निर्देश: औ पेपर खंड अ, ब अर स में बट्यौडौ है। खंड 'अ' में साव छोटा सवाल, खंड 'ब' में छोटा सवाल अर खंड 'स' में निबंधात्मक सवाल दियौडा हैं।

खंड- ब

नोट: नीचै लिख्या प्रश्नां मांय सूं कोई चार प्रश्न करणा है। सबद सीमा 100 **सूं** 150 **सबद है। हरैक प्रश्न 8 अंक रौ है।** **8 × 4 = 32**

प्रश्न 1 राजस्थानी ख्यात साहित्य पर टिप्पणी लिखो।

प्रश्न 2 बालावबोध अर टब्बा साहित्य नै समझावो।

प्रश्न 3 कहाणी रा तत्वां नै उजागर करो।

प्रश्न 4 'मेवै रा रूंख' उपन्यास रै पात्र सिनाथ री चारित्रिक विसेसतावां बतावो।

प्रश्न 5 'धोरां रा धोरी' उपन्यास री भासा सैळी पर आप रै विचार प्रकट करो।

प्रश्न 6 मुरलीधर व्यास री कहाणी 'भाठो' री कथावस्तु नै बतावो।

प्रश्न 7 बैजनाथ पंवार री कहाण्यां री प्रवृतियां नै उजागर करो।

प्रश्न 8 नृहसिंह राजपुरोहित री कांणी 'विदाई' री समीक्षा करो।

प्रश्न 9 'सिलोका साहित्य' कांई है ?

प्रश्न 10 राजस्थानी संस्करण साहित्य पर टिप्पणी लिखो।

प्रश्न 11 'मेवै रा रूंख' उपन्यास रो उद्देस्य बतावो।

प्रश्न 12 'धोरा रा धोरी' रै नायक री चारित्रिक विसेसतावां नै स्पस्ट करो।

प्रश्न 13 आधुनिक राजस्थानी कहाणी री विसेसतावां नै स्पस्ट करो।

प्रश्न 14 'धनवीरे' रौ चरित्र चित्रण करो।

प्रश्न 15 नृसिंह राजपुरोहित री कहाणी कला नै समझावो।

प्रश्न 16 राजस्थानी एकांकी साहित्य पर टिप्पणी लिखो।

प्रश्न 17 राजस्थानी वात साहित्य पर टिप्पणी लिखो।

प्रश्न 18 वचनिका अर दवावैत साहित्य में कांई फरक है ?

प्रश्न 19 संस्मरण अर रेखाचित्र में कांई भेद है ?

प्रश्न 20 'मवै रा रूंख' मांय सूरदास री चारित्रिक विसेसतावां ने स्पस्ट करो।

प्रश्न 21 'धोरां रा धोरी' रौ देसकाल अर वातावरण स्पस्ट करो।

प्रश्न 22 आजादी रै पछै री राजस्थानी कहाणी री तस्ठभोम नै दरसावो।

प्रश्न 23 कहाणी रा भेदा नै स्पस्ट करो।

प्रश्न 24 करणीदान बारहठ री कांणी 'सुखी कुण' री समीक्षा करो।